दैनिक प्रातः कालीन भारत सरकार से रजिस्टर्ड हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे:-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिज़ाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 135 मुरादाबाद, 04 September 2023 (Monday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा चुनाव के पहले शिवपाल भाजपा में शामिल हो जाएंगे, ओम प्रकाश राजभर का बड़ा दावा

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव के पहले यूपी में भी उलटफेर होगा और शिवपाल सिंह यादव भाजपा के साथ आ जाएंगे। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 के पहले सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव हमारे साथ (एनडीए में) आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की तरह यूपी में भी बड़ा उलटफेर होगा।राजभर ने कहा कि इस संबंध में अंदरखाने बातचीत चल रही है। लोकसभा चुनाव के पहले शिवपाल पाला बदल लेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनसे (शिवपाल सिंह यादव) भाजपा में शामिल होने की बात कही थी जिस पर शिवपाल ने भी उन्हें आश्वासन दिया था।राजभर ने कहा कि घोसी विधानसभा उपचुनाव में शिवपाल सपा को जिताने के लिए नहीं भाजपा को जिताने के लिए काम कर रहे हैं। यह मेरा ही दबाव है कि एसी में बैठकर राजनीति करने वाले अखिलेश यादव आज उपचुनाव में जीत के लिए गांव-गांव भटक रहे हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जी20 बैठकों को लेकर चीन की आपत्ति खारिज, पीएम मोदी बोले- देश के हर हिस्से में बैठक होना स्वभाविक

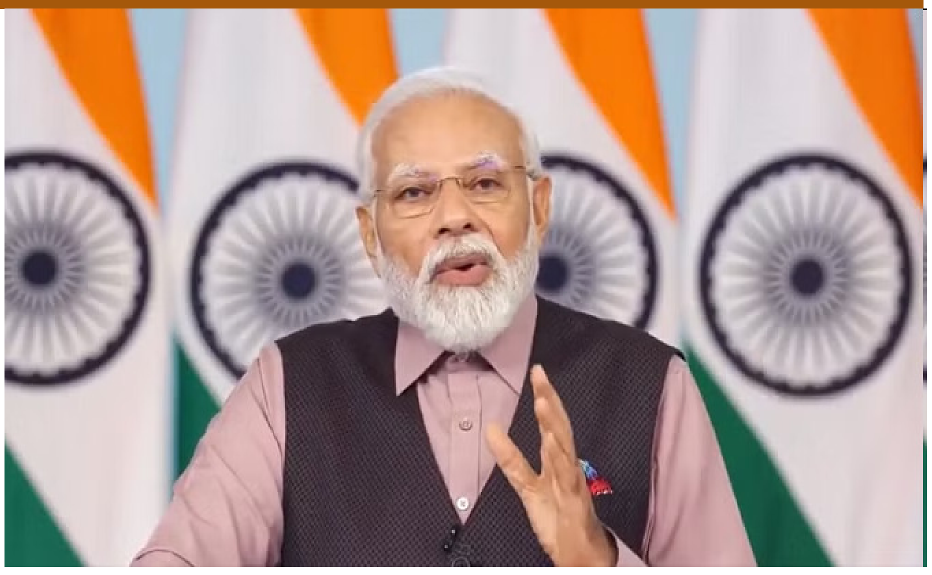

प्रधानमंत्री ने चीन, पाकिस्तान की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि यह सवाल उस वक्त वैध होता अगर हमने उन जगहों पर बैठकें करने से परहेज किया होता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यह स्वभाविक है कि जी20 की बैठकें देश के हर हिस्से में आयोजित होंगी। प्रधानमंत्री ने चीन की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया, जिनमें चीन ने अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर में जी20 बैठकों का आयोजन होने पर नाराजगी जताई थी। बता दें कि भारत की अध्यक्षता में जम्मू कश्मीर और अरुणाचल प्रदेश समेत कई जगहों पर जी20 की बैठकें आयोजित की गईं।

प्रधानमंत्री ने कही ये बात

बता दें कि भारत की संस्कृति और विविधता को दर्शाने के लिए सरकार ने देश के अलग-अलग हिस्सों में जी20 की बैठकें आयोजित की थी। ये बैठकें अरुणाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में भी आयोजित की गईं थी। इस पर चीन और पाकिस्तान ने आपत्ति जताई थी क्योंकि चीन अरुणाचल प्रदेश को और पाकिस्तान जम्मू कश्मीर को विवादित मानते हैं। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने चीन, पाकिस्तान की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि %यह सवाल उस वक्त वैध होता अगर हमने उन जगहों पर बैठकें करने से परहेज किया होता। हमारा देश विशाल और विविधताओं से भरा है। जब देश में जी20 बैठकें हो रही हैं तो ये स्वभाविक है कि यह देश के हर हिस्से में आयोजित की जाएंगी।

60 शहरों में हुई जी20 की बैठकें

पर्यटन के मुद्दे पर जी20 वर्किंग ग्रुप की तीन दिवसीय बैठक 22 मई को श्रीनगर में हुई थी। इस दौरान चीन को छोड़कर अन्य जी20 देशों के प्रतिनिधियों ने इस बैठक में शिरकत की थी। वहीं मार्च में अरुणाचल प्रदेश में भी जी20 की बैठक हुई थी। भारत ने चीन की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि वह अपने क्षेत्र में कहीं भी बैठकें करने के लिए स्वतंत्र है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब जी20 में जब भारत की अध्यक्षता समाप्त होगी, तब तक 220 से ज्यादा बैठकें, देश के 60 शहरों और 28 राज्यों में हो चुकी होंगी। इस दौरान 125 देशों के एक लाख से ज्यादा प्रतिनिधि इन बैठकों में शिरकत कर चुके होंगे।

अखिलेश यादव की जनता से अपील- समूह बनाकर वोट करने जाएं, किसी के दबाव में न आएं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोसी के मतदाताओं से बिना किसी दबाव के वोट करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर कोई दबाव बनाए तो उसका वीडियो बनाकर कार्यकर्ताओं को भेजें।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को मऊ जिले की घोसी सीट पर होने वाले उपचुनाव में मतदाताओं से समूह में जाकर वोट करने की अपील की है। उन्होंने जनता को संदेश जारी कर कहा कि किसी दबाव में आकर वोट न करें और अगर कोई दबाव बनाए तो उसका वीडियो बनाकर सपा कार्यकर्ताओं को सूचित करें।अखिलेश यादव ने अपने संदेश में कहा कि आज से पहले पूरे देश में घोसी कभी भी इतना चर्चा में नहीं रहा जितना इस समय है क्योंकि महंगाई, भ्रष्टाचार और अत्याचार से पीड़ित देश भर की जनता को लग रहा है कि घोसी की जनता भाजपा को हराकर पूरे देश को एक संदेश देगी कि दल-बदल करने वाले नेताओं को अब वो खुलकर हराएगी और विधायकों को खरीदने वाली भाजपा को एक सबक सिखाएगी। जनता उसी को चुनेगी जो दुख-दर्द में उनके साथ खड़ा होता है और जनता के काम भी आता है। अखिलेश यादव ने कहा कि सिर्फ मतदान ही नहीं उसके बाद भी 8 सितंबर को परिणाम आने तक चौकन्ना रहकर अपने डाले गए मतों की चौकसी-निगरानी करें और जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही वापस आएं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में जीत सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह की नहीं जनता की होगी। घोसी सीट पर उपचुनाव के लिए 5 सितंबर को मतदान होगा।

जेल से रिहाई के बाद याकूब कुरैशी की बिगड़ी तबीयत, बोले-बुरा वक्त था; निकल गया, मिलने वालों का लगा तांता

अवैध मीट फैक्टरी संचालन और गैंगस्टर के मामले में सात महीने 26 दिन जेल में रहने के बाद पूर्व मंत्री हाजी याकूब अपने घर पहुंच चुके हैं। उनसे मिलने वालों का उनके आवास पर तांता लगा हुआ है। बताया गया कि हाजी याकूब अपने मिलने के गले लगकर भावुक हो गए और कहा कि बुरा वक्त था, निकल गया। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी के घर सरायबहलीम स्थित आवास पर शनिवार सुबह से ही रिश्तेदारों और मिलने वालों का तांता लगा रहा। लोगों से मिलकर याकूब कुरैशी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि बुरा वक्त था लेकिन आप सभी की दुआओं से यह गुजर गया।

31 मार्च 2022 को हापुड़ रोड स्थित अलीपुर में याकूब कुरैशी की मीट फैक्टरी में पुलिस ने छापा मारकर अवैध तरीके से मीट पैकिंग करते हुए 10 कर्मचारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। फैक्टरी से करीब पांच करोड़ रुपये कीमत का मीट बरामद किया था। याकूब, उनकी पत्नी संजीदा बेगम, बेटा इमरान, फिरोज, मैनेजर मोहित त्यागी सहित सात आरोपी फरार हो गए थे। 11 नवंबर को पुलिस ने याकूब और उनके परिवार पर खरखौदा थाने में गैंगस्टर का मुकदमा पंजीकृत किया था। इसके बाद नवंबर 2022 में फिरोज ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। छह जनवरी 2023 को याकूब और इमरान को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर किया था। याकूब को सोनभद्र, इमरान को बलरामपुर और फिरोज को सिद्धार्थनगर जेल में भेजा गया था। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद देर रात याकूब कुरैशी मेरठ पहुंचे थे। शनिवार सुबह से ही उनसे मिलने लोगों और रिश्तेदारों का तांता लगा रहा। उनसे मिलने दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मौलाना कासिम नोमानी और वक्फ दारुल उलूम के मोहतमिम मौलाना सूफियान सहित भी पहुंचे।

दोपहर के बाद बिगड़ी तबीयत

बड़े बेटे इमरान याकूब ने बताया कि दोपहर बाद पिता की तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद उन्हें डॉक्टर देखने घर आए थे। उन्हे इंसुलिन दी है। फिलहाल तबीयत ठीक है।

देश के सभी राज्यों पर हमला है एक देश-एक चुनाव, सरकार पर बरसे राहुल गांधी

केरल में वायनाड का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कहना है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार भारत पर हमला है, जो उनके अनुसार राज्यों का संघ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को देश में लोकसभा चुनाव और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के विचार के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' का विचार भारतीय संघ और इसके सभी राज्यों पर हमला है।केरल में वायनाड का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का कहना है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार भारत पर हमला है, जो उनके अनुसार राज्यों का संघ है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इंडिया, यानी भारत राज्यों का एक संघ है। एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार संघ और उसके सभी राज्यों पर हमला है। गौरतलब है, केंद्र सरकार ने शनिवार को देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावना की जांच के लिए आठ सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसमें जिन आठ लोगों को रखा गया था उनमें कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी का नाम भी शामिल था। हालांकि, चौधरी ने समिति का हिस्सा बनने से मना कर दिया है। बता दें, केंद्र द्वारा समिति के गठन की अधिसूचना 18 से 22 सितंबर तक संसद के विशेष सत्र की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद आई है। हालांकि, सरकार विशेष सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर चुप्पी साधे रही। वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि एक देश, एक चुनाव पर उच्चस्तरीय समिति एक रस्मी कवायद है, जिसका वक्त अत्यधिक संदिग्ध है। इसकी संदर्भ शर्तों ने पहले ही अपनी सिफारिशें निर्धारित कर दी हैं। आठ सदस्यीय समिति में कौन-कौन शामिल- कानून मंत्रालय के मुताबिक, इस समिति का नेतृत्व पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। समिति में गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद, वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष सी कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी शामिल हैं।

विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लेंगे मेघवाल

एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है कि कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उच्च स्तरीय समिति की बैठकों में भाग लेंगे। समिति का गठन पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले किया गया है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को समिति के गठन की जानकारी दी थी।

गणेश उत्सव है, हम नहीं जा सकते, संजय राउत बोले चीन पर हो सकती है संसद के विशेष सत्र में चर्चा

शिवसेना नेता ने कहा कि संसद का विशेष सत्र चीन और मणिपुर मुद्दे पर बुलाया जाना चाहिए और इस पर चर्चा होनी चाहिए। मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभारी हूं कि वह इन मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं।सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की जानकारी दी है। इसके बाद इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हैं। इसे लेकर जब शिवेसना (यूबीटी) नेता संजय राउत से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संसद का विशेष सत्र बुलाया है लेकिन कोई नहीं जानता कि ये विशेष सत्र क्यों बुलाया गया है। महाराष्ट्र में उस दौरान गणेश उत्सव होगा तो हम इसमें नहीं जा सकते। चीन मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं प्रधानमंत्री

संजय राउत ने कहा कि हमने सुना है कि प्रधानमंत्री मोदी चीन के मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के हिस्से को अपने नक्शे में दिखाने से व्यथित हैं और इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं तो हम इसका स्वागत करते हैं। संसद का विशेष सत्र चीन और मणिपुर मुद्दे पर बुलाया जाना चाहिए और इस पर चर्चा होनी चाहिए। मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभारी हूं कि वह इन मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं।

हिंदू भावनाएं आहत करने का लगाया था आरोप

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहार गणेश उत्सव के दौरान बुलाया गया। इस समय संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना हिंदू भावनाओं के खिलाफ है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने भी गणेश चतुर्थी के मौके पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए सरकार की आलोचना की है और इसे हिंदू विरोधी मानसिकता करार दिया है। बता दें कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर बताया कि 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है। ऐसी भी चर्चाएं हैं कि सरकार एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर विधेयक पेश कर सकती है। इस चर्चा की वजह सरकार द्वारा इस मुद्दे पर विचार के लिए कमेटी गठित करना है। जिसका अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बनाया गया है।

संपादकीय Editorial

'Master Stroke' session of Parliament

The monsoon session of Parliament was adjourned on August 11 itself. If Modi government has called a special session of Parliament only 38 days after that, then this can prove to be a 'master stroke'. Parliamentary Affairs Minister Pralhad Joshi has announced a special session of Parliament over 5 days from September 18-22, but has not revealed the agenda. This is an unusual practice, as the government is required to disclose the agenda of the Parliament session during the meeting of the Business Advisory Committee with the Speaker. This is the political thinking of Prime Minister Modi. The special session could also be the decisive, final session of the 17th Lok Sabha. In view of this, even if the 'One Country, One Election' bill is passed, it cannot be implemented immediately on the entire country, because in some states assembly elections have been held only in the last few months or they have completed their tenure. Just completed the first year. Can a constitutional amendment proposal to extend or reduce the duration of legislative assemblies also be passed by the Parliament? However, there are discussions that the government may introduce and pass new bills on women's reservation, uniform civil code, one country one election, central list of OBCs for provision of reservation, etc. 180 seats can be reserved or increased for women in the Lok Sabha.

The Modi government wants to fix such women's reservation. In view of most of the proposed bills, amendments will have to be made in the Constitution, for which more or less two-thirds majority in both the houses will be mandatory. Some more proposals for constitutional amendment are also possible. 'Chandrayaan-3' is India's biggest space and global scientific achievement. Parliament can bring a resolution on such success of our promising and experienced scientists. Presiding over the G-20 countries and organizing the summit during India's 76 years of independence is also an unprecedented achievement. Parliament can pass a resolution by clapping on that too. If the Modi government introduces the 'One Country, One Election' bill, it will result in widespread political upheaval. The politics of the country itself can change, because the opposition alliance is currently in its infancy. Holding Lok Sabha and Assembly elections simultaneously is not a new arrangement. The constitution came into force in 1950 and the first elections were held in 1952. In 1952, 1957, 1962, 1967, along with the Lok Sabha, assembly elections were also held. Since the assemblies started being dissolved prematurely in 1968 and Lok Sabha elections were held ahead of schedule due to the India-Pakistan war in 1971, the system became imbalanced. However, even today in Odisha both the elections are conducted simultaneously and successfully. Prime Minister Modi has been discussing this mission in Parliament since 2018-19. Opposition leaders like Nitish Kumar and Akhilesh Yadav have also agreed on this issue.

Now how the opposition will react will be revealed, but have the various stakeholders and stakeholders like the Election Commission, the Chief Ministers of the states and the House, ultimately the Supreme Court etc. been consulted? Is their consent not mandatory? In fact, an international agency has just conducted a global survey regarding India and Prime Minister Modi, the conclusion of which is that about 79 percent of the people and leaders like the Indian Prime Minister. BJP wants to take electoral advantage of this popularity. His assessment is that if simultaneous elections are held, BJP may get benefits in the states also.

Teacher's Day special: Introduce children to the world of birds, they will get a prize

Bird watching is a very easy way to start acquaintance with nature. Through birdwatching, children get a chance to go out into the open environment like a neighborhood park, school courtyard or a nearby pond. Birds are the window through which we can see the strange world of nature. Geeta teaches science in Bengaluru, she is also the director of the school's Nature Club, that is why she never misses any opportunity to tell children about birds and nature. If the children have to explain the relationship between pressure and area, then she gives the example of birds, how some birds can easily walk on lotus leaves floating on water because their huge feet spread their weight over a large area. . Geeta believes that if the principles of science are explained through practical examples in the natural environment outside the walls of the classroom, then children's interest in the subject automatically increases. Teachers like Geeta prove that despite the pressure of the curriculum, it is possible to provide children with a meaningful and inspiring experience by connecting with nature. It is clear from many scientific researches that introduction to nature in childhood is not only necessary for the overall development of children but it also promotes concentration, study ability and mental health in children. Most people believe that to see nature we have to go to the forests, but in reality this task is not so difficult. In fact, nature is constantly present around us in the form of insects, plants, animals and birds. Bird watching is a very easy way to start acquaintance with nature. Through birdwatching, children get a chance to go out into the open environment like a neighborhood park, school courtyard or a nearby pond. Birds are the window through which we can see the strange world of nature. Getting acquainted with the world of birds with children can be a joyful experience for everyone. Here are some tips to make this trip more interesting: Increase your awareness about the birds present in and around the school premises. To help you in this, suitable materials like posters, identity booklets, introduction of voices, and webinars based on birds etc. are available in many languages including Hindi. (early-bird.in/interactive) Stories are a very effective way to make young children aware of birds and the environment. For example, Story Weaver (storyweaver.org.in) is an online platform on which thousands of books are available for free. You can use these for story telling with children. The use of artistic exercises for environmental education has proven to be very effective for children. There are several videos available on YouTube (bit.ly/art-activities) that suggest bird drawing and other exercises specifically for children. Educational games are a valuable tool to make the learning process fun. Many fun games and simple exercises developed especially for children for environmental education are available for free on websites like Early Bird (early-bird.in/hindi) and (naturevidya.org) etc. which you can use to increase awareness about nature among children. can do. If you have ever used these methods to introduce children to birds, please email us at (team@early-bird.in). The top 3 entries sent by the end of September will be awarded a set of environmental learning materials called "Nature's Box". She is a birdwatcher and photographer based in Bangalore. She leads a non-profit program called "Early Bird" that aims to make children aware of birds. Raman Kumar is an ornithologist associated with the Dehradun-based "Nature Science Initiative". This organization is working on environmental education and conservation.

Pride of G-20 India and identity of Delhi

As the name suggests, G-20 i.e. Group of 20, everyone knows that India is going to organize a historic meeting of a big group of the world in its home country. As the name suggests, G-20 i.e. Group of 20, everyone knows that India is going to organize a historic meeting of a big group of the world in its home country. This event will be held in Delhi from 8 to 10 September. However, the big thing is that the biggest issues of the world will come up for discussion in the biggest meeting of the leaders on 9th and 10th September and the future strategy will be decided only under the chairmanship of India. An important thing is that India is going to be the voice of such a big international conference in which 20 countries like Russia, America, France, Britain, Germany, and Australia are included. It is important that the way the capital Delhi is being transformed due to the G-20 event, its beauty has been enhanced, in such a situation, if we accept this beauty of Delhi as permanent, then the maps of the world will be transformed. But a different picture of India will emerge. As everyone knows that G-20 is an international forum which is capable of solving economic issues and problems related to economy, while this call of Indian Prime Minister Narendra Modi also has the message of One Earth One Family i.e. Vasudhev Kutumbkum hidden in it. Is. There are challenges in the world ranging from climate to environment, from pollution problems to rising prices, everyone in the world should pursue development with friendship. There should be no war of any country with any other country anywhere. If India is giving the message of peace, then it is also being proved that India considers the world as one family and what could be a bigger theme than that everyone should move forward together. There is a lot of discussion in the whole country regarding G-20 and especially There is a lot of excitement in Delhi since we faced epidemics like Corona. Apart from this, the whole world also faced economic recession, but India not only rescued itself from both these difficult times but also showed the direction to the whole world to move forward together. I personally believe that a historical capital like Delhi may have its own set of problems. Now all the problems regarding organizing G-20 are ending. The Central and State Governments are determined to increase India's glory with the G-20, but it should be a national duty and a national religion of all of us citizens to keep our Delhi clean and beautiful. Throw garbage and garbage in the dustbin only, traffic should follow their own line, everyone should follow the rules at the red light. In such a situation, half the problem will be solved anyway. Doing this or getting ready for such an initiative shows a good thinking of the people. If we lead a disciplined life everyday on the streets, in the markets, then we are doing a dharma of national service. The meaning of an event is not enough to present a big spectacle, but if we are moving ahead in a disciplined manner, then it should be called the decoration of the country. Together we are making this event a success. Apart from subjects like education, employment opportunities, control of economic recession, if any common strategy is being made regarding climate and environmental control under the chairmanship of India, then we welcome it. From Kashmir to Kanyakumari to Goa, Chennai, Srinagar, Bangalore, Jaipur, Indian tourism is being promoted with foreign delegates for organizing this G-20. Apart from education and employment, a big message under the leadership of India on possibilities of avoiding war But one of the biggest achievements has been recorded in India's account. The statistics of the last three years are showing that tourism has increased very rapidly in India, which has been hit by an epidemic like Corona. There is a big contribution of G-20 in this.

If we look at the first half of the year 2023, 44 lakh tourists would come to Delhi alone. So far 220 G-20 events have been held and the number of foreign guests is increasing. Overall, where 53 lakh tourists reached different tourist destinations in the country till 2019, in 2021 this figure was 68 crores but by the end of 2022 it reached 174 crores. One of the major reasons for the increase in the number of foreign tourists is the G-20 event. The figures that I have searched are about India's earnings. Just see, between 2022 and 2023, the number of foreign tourists has increased by 104 percent and till date, our country's currency reserves have increased by $13,130,14 billion. People especially foreign tourists are buying Indian things from Kashmir to Kanyakumari. Traders making Indian products are getting orders for 3-3 years. Overall, whenever a big international event takes place in the country, it should be the first and foremost duty of every citizen and every Indian to beautify the place where the event is being held, as well as follow the rules in public life. Should also be followed. It is the biggest discipline which makes any citizen and nation great.If we lead a disciplined life everyday on the streets, in the markets, then we are doing a dharma of national service. The meaning of an event is not enough to present a big spectacle, but if we are moving ahead in a disciplined manner, then it should be called the decoration of the country. Together we are making this event a success. Apart from subjects like education, employment opportunities, control of economic recession, if any common strategy is being made regarding climate and environmental control under the chairmanship of India, then we welcome it. From Kashmir to Kanyakumari to Goa, Chennai, Srinagar, Bangalore, Jaipur, Indian tourism is being promoted with foreign delegates for organizing this G-20. Apart from education and employment, a big message under the leadership of India on possibilities of avoiding war But one of the biggest achievements has been recorded in India's account. The statistics of the last three years are showing that tourism has increased very rapidly in India, which has been hit by an epidemic like Corona. There is a big contribution of G-20 in this. If we look at the first half of the year 2023, 44 lakh tourists would come to Delhi alone. So far 220 G-20 events have been held and the number of foreign guests is increasing. Overall, where 53 lakh tourists reached different tourist destinations in the country till 2019, in 2021 this figure was 68 crores but by the end of 2022 it reached 174 crores. One of the major reasons for the increase in the number of foreign tourists is the G-20 event. The figures that I have searched are about India's earnings. Just see, between 2022 and 2023, the number of foreign tourists has increased by 104 percent and till date, our country's currency reserves have increased by $13,130,14 billion. People especially foreign tourists are buying Indian things from Kashmir to Kanyakumari. Traders making Indian products are getting orders for 3-3 years. Overall, whenever a big international event takes place in the country, it should be the first and foremost duty of every citizen and every Indian to beautify the place where the event is being held, as well as follow the rules in public life. Should also be followed. It is the biggest discipline which makes any citizen and nation great. India's identity is even more different because it considers every person in the world as a member of its family. Let's follow our national religion, make G-20 successful and always keep giving new identity to the initiative to make beautiful Delhi even more beautiful. This is our national religion and There should be a duty. Be it Prime Minister Modi or Delhi Chief Minister Kejriwal or Chief Ministers of other states. At this time G-20 has made India the harbinger of world development.

फ्रांस के हूज नेक्सट मेले में भारतीय उत्पाद रहे आकर्षण का केंद्र

मुरादाबाद-हूज नेक्सट मेले में उत्पादों के बारे में जानकारी लेते फ्रांस में भारत के राजदूत जावेद अशरफ। फ्रांस के पेरिस में हूज नेक्सट मेले में हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के इंडिया पवेलियन का उद्घाटन फ्रांस में भारत के राजदूत जावेद अशरफ ने किया। मेले में भारतीय उत्पाद लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के इंडिया पवेलियन में ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्य सागर मेहता और हूज़ नेक्सट की शो डायरेक्टर सिल्वी पौराट और सदस्य प्रदर्शको ने उद्घाटन के मौके पर आयोजन के उद्देश्य को बताया। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आरके वर्मा ने बताया कि 2-4 सितंबर तक यह आयोजन चलेगा।मेले में भारतीय हस्तशिल्प, फैशन, आभूषण और सहायक उपकरण उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। मेले में 14 निर्यातकों के साथ परिषद की भागीदारी दुनिया भर के आगंतुकों को आकर्षित कर रही है। फ्रांस में भारत के राजपूत ने प्रदर्शकों से मिलकर उनके व्यवसायिक भावना की सराहना की। ईपीसीएच के चेयरमैन दिलीप बैद ने बताया कि हूज नेक्स्ट आयोजन रेडी-टू-वियर, एक्सेसरीज, सौंदर्य और जीवनशैली का प्रदर्शन करता है।

यह दर्शक वर्ग, फैशन वितरक और ब्रांड के लिए समाधान और इनोवेशन देने वाला कार्यक्रम है। मेला अंतरराष्ट्रीय डिजाइन, फैशन और जीवनशैली से जुड़े लोगों को एक छत के नीचे ला रहा है। मेले के आयोजक दुनिया भर से 45,000 से अधिक आगंतुकों के मेले में आने की उम्मीद कर रहे हैं। भारत की भागीदारी से मेले की जीवंतता और विविधता बढ़ेगी। भारतीय फैशन, कपड़ा और आभूषण उत्पाद उद्योग में जीवंत उद्यमिता से परिचित होंगे।

जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल के स्वागत को सजे बाजार, कान्हा के लिए वस्त्र और झूले की हो रही खरीदारी

मुरादाबाद-लड्डू गोपाल के स्वागत के लिए महानगर के बाजार सजकर तैयार हो गए हैं। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को खास बनाने की तैयारी हो रही है। शनिवार को कान्हा की मूर्ति, उनके वस्त्र, मुकुट, झूला आदि खूब खरीदे गए। भक्तों को गाय-बछड़े की जोड़ी भी खूब भा रही है। जन्मोत्सव की झांकी सजाने को झालर, खिलौने, मूर्तियां व अन्य सामान की भी खरीदारी तेज हो गई है। जन्माष्टमी उत्सव के लिए सजी लड्डू गोपाल की मूर्ति दुकानों की शोभा बनी हैं। सुबह से ही जन्माष्टमी के लिए खरीदारी शुरू हो गई। बर्तन बाजार, बुध बाजार, टाउनहाल, कटरा, पीतल नगरी, हरथला, सुपर मार्केट समेत अन्य दुकानों में कान्हा जन्मोत्सव की खुशी मनाने के लिए सामान की खरीदारी को लेकर लोग उमड़ रहे हैं। इस बार ठाकुरजी की आकर्षक पोशाकें आईं हैं। गोटा, नग, मोती व अन्य सजावटी सामग्री से पोशाक सजी हैं। झूले भी छोटे-बड़े साइज में बाजार में उपलब्ध हैं। भगवान की विभिन्न प्रकार की मालाएं बिक रही हैं।जन्मोत्सव की तैयारी में कृष्ण भक्त कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। बर्तन बाजार व्यापारी विपिन गुप्ता ने बताया कि महानगर के लोगों को इस बार गाय-बछड़े की जोड़ी खूब भा रही है। बुध बाजार स्थित दुकान के व्यापारी कुलंवत सिंह ने बताया कि दुकानों में श्रीकृष्ण को सजाने के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्री उपलब्ध है।

कान्हा के लिए वस्त्र और झूले की हो रही खरीदारी

कान्हा के लिए वस्त्र और झूले की खरीदारी को लोग दुकानों पर उमड़ रहे हैं। आने वाले दिनों में खरीदारी और तेज होने की उम्मीद है।

व्यापारी कुलबंत सिंह का कहना है कि कुछ लोग लड्डू गोपाल की मूर्ति के साथ-साथ उनके वस्त्र झूले के साथ कंप्लीट सामान भी खरीद रहे हैं। एक दुकान पर लड्डू गोपाल के कपड़े खरीदने आई अमृता धारीवाल का कहना है कि दुकान पर लड्डू गोपाल के लिए सुंदर-सुंदर कपड़े झूले सहित आदि चीज उपलब्ध हैं। कान्हा के कपड़ों के साथ मेरी छह माह की बेटी है। उसके लिए भी में कान्हा के कपड़े लेने आई हूं।

25 स्कूलों के 3000 बच्चे कंप्यूटर में होंगे निपुण, बनाई खास नीति

मुरादाबाद-अब परिषदीय विद्यालयों के बच्चे भी कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त कर निपुण होंगे। मिशन दक्ष के तहत जिले के तीन हजार से अधिक बच्चों को कंप्यूटर सिखाया जा रहा है। जिला प्रशासन ने कंप्यूटर में बच्चों को निपुण करने के लिए खास नीति बनाई है। जिले में 1401 परिषदीय विद्यालय है। इनमें प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय शामिल है। इनमें करीब दो लाख 40 हजार बच्चों का पंजीकरण है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से अब कंप्यूटर की पढ़ाई पर जोर दिया जा रहा है। मिशन दक्ष के अंतर्गत तीन हजार से ज्यादा बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा बिना किसी खर्च के उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें बच्चों को कंप्यूटर बेसिक जैसे पेंट, टाइपिंग, इंटरनेट चलाना, नोटपेट, वर्डपैड की जानकारी दी जा रही है। कंपोजिट विद्यालय कांशीराम नगर में पहला चरण पूरा होने के बाद अब दूसरे चरण में नगर क्षेत्र के सभी 15 उच्च प्राथमिक विद्यालय और मुरादाबाद ग्रामीण के 10 विद्यालयों को इस मिशन में शामिल किया गया है।

मिशन को सफल बनाने में जुटा विभाग

एडी बेसिक बुद्धप्रिय सिंह ने बताया कि मिशन दक्ष को सफल बनाने के लिए विभाग लगातार काम कर रहा है। मिशन दक्ष के लिए फिलहाल 25 विद्यालयों को स्मार्ट सिटी के सहयोग से 40 लैपटॉप और साईं संस्था की ओर से 10 लैपटॉप उपलब्ध कराए गए हैं। बच्चों को कंप्यूटर सिखाने के लिए मिशन दक्ष ऐप भी विकसित किया गया है। इससे बच्चों को कंप्यूटर सीखने में काफी आसानी हो रही है।

डायट के सहयोग से कंप्यूटर सिखा रहे युवा

डायट के सहयोग से 30 युवा एक इंटर्नशिप कार्यक्रम के जरिये विद्यालय के छात्रों को कंप्यूटर की शिक्षा दे रहे हैं। वे बच्चों को कंप्यूटर पर पेंट, टाइपिंग, इंटरनेट चलना आदि की जानकारी दे रहे हैं। बच्चों की मानीटरिंग के लिए एक विशेष पोर्टल भी विकसित किया है। इसमें छात्रों को स्कूल वार ट्रैक कर सकेंगे और उनकी प्रगति का अवलोकन कर सकेंगे

प्राथमिक विद्यालयों में बनाई जा रही लाइब्रेरी

उत्तर प्रदेश सरकार और बेसिक शिक्षा विभाग प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों के भविष्य को सुधारने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में कंप्यूटर शिक्षा के साथ प्राथमिक विद्यालयों में लाइब्रेरी का निर्माण कराया जा रहा है। जिससे बच्चों को पढ़ाई करने के लिए बेहतर वातावरण मिल सके। साथ ही बच्चों के पढ़ाई के लिए अच्छी किताबें मिले। जिन्हें पढ़कर वह अपने भविष्य को निखार सकें।

लखनऊ-हरिद्वार के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की तैयारी, मुरादाबाद और बरेली में होगा ठहराव

मुरादाबाद-लखनऊ जंक्शन से हरिद्वार स्टेशन तक वंदे भारत ट्रेन चलाए जाने का प्रस्ताव है। इसको जल्द स्वीकृति मिलनी की संभावना है। इसके लिए प्रस्तावित समय सारिणी तैयार की गई है।बरेली और मुरादाबाद में इसका ठहराव होगा। मुरादाबाद रेल मंडल के यात्रियों को जल्द ही एक और वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिल सकती है। इस बार यह सेमी हाईस्पीड ट्रेन लखनऊ जंक्शन से हरिद्वार के लिए चलेगी। मुरादाबाद और बरेली स्टेशन पर इसका ठहराव रहेगा। फिलहाल रेलवे इसके लिए टाइम टेबल तैयार कर रहा है। इसके बाद ही आधिकारिक घोषणा होगी। विभागीय जानकारों का कहना है कि आम चुनाव से पहले यह ट्रेन शुरू हो सकती है। दो माह पहले ही देहरादून से आनंद विहार वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू हुई थी। इस ट्रेन को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसके बाद लखनऊ-

हरिद्वार वंदेभारत की योजना बनाई गई है। हर्रावाला स्टेशन के विकसित होने के बाद इसका संचालन वहीं से किया जाएगा। इससे पहले लखनऊ-सहारनपुर, लखनऊ-हरिद्वार, आनंद विहार-हरिद्वार, लखनऊ-आनंद विहार और काठगोदाम-आनंद विहार वंदे भारत पर भी चर्चा हो चुकी है लेकिन इन्हें स्वीकृति नहीं मिली। बताया जा रहा है कि लखनऊ जंक्शन से हरिद्वार स्टेशन तक वंदे भारत को स्वीकृति मिल सकती है। इसके लिए प्रस्तावित समय सारिणी तैयार की गई है। इसके मुताबिक ट्रेन लखनऊ जंक्शन से सुबह 5:15 बजे चलेगी। 8:33 बजे बरेली में दो मिनट के लिए, 9:52 बजे मुरादाबाद में पांच मिनट के लिए 12:25 बजे हरिद्वार में 10 मिनट के लिए रुकेगी। दोपहर 1:35 बजे हर्रावाला पहुंचेगी। वापसी में हर्रावाला से दोपहर 2:25 बजे चलेगी। 3:25 बजे हरिद्वार, 5:40 बजे मुरादाबाद, 6:50 बजे बरेली रुकते हुए शाहजहांपुर-आमनगर रूट से बिना रुके रात 10:40 बजे लखनऊ पहुंचेगी। यदि इस समय सारिणी के मुताबिक वंदे भारत एक्सप्रेस चली तो राप्ती गंगा एक्सप्रेस का संचालन 15-20 मिनट प्रभावित होगा। लिंक एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय के 10 मिनट बाद देहरादून से चलेगी। सप्तक्रांति एक्सप्रेस (12557-58) का रूट भी बदलना पड़ सकता है। सभी संभावनाओं को देखते हुए रेलवे योजना तैयार कर रहा है।

65.3 किमी प्रति घंटा रहेगी औसत गति

536 किमी की दूरी वंदेभारत एक्सप्रेस 8 घंटे 15 मिनट में पूरी करेगी। इस सफर में ट्रेन की औसत गति 65.3 किमी प्रति घंटा रहेगी। यात्रा का समय कम करने को लेकर भी प्लानिंग की जा रही है। फिलहाल टीम ने प्रस्तावित समयसारिणी अधिकारियों के सामने रखी है। इस पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। मुरादाबाद-बरेली होकर वंदेभारत एक्सप्रेस की चर्चाएं हैं। ट्रेन के प्रारंभिक और अंतिम स्टेशन क्या होंगे अभी यह कहना मुश्किल है। मुख्यालय से जानकारी आते ही इसकी घोषणा की जाएगी। - सुधीर सिंह, सीनियर डीसीएम।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

डेंगू मरीजों को जरूरत पर नहीं मिल प्लेटलेट्स, निजी का सहारा... भटक रहे तीमारदार

मुरादाबाद-जंबो पैक के नाम पर निजी अस्पताल में लूट, 25-40,000 रुपये ले रहे, अस्पताल के ब्लड बैंक में रेयर ग्रुप का रक्त भी नहीं जिले में बेकाबू हो रहे डेंगू मलेरिया के मरीजों को इलाज देने में भी सरकारी अस्पताल पूरी तरह सफल नहीं हो रहे हैं। मरीजों की जान बचाने के लिए प्लेटलेट्स का इंतजाम करने को तीमारदार भागदौड़ कर रहे हैं। लेकिन मंडल मुख्यालय के जिला अस्पताल में उन्हें प्लेटलेट्स जरूरत पर नहीं मिल रहा है। वहीं जंबो पैक के नाम पर निजी अस्पताल में लूट मची है। उनसे 25-40,000 रुपये प्रति जंबो पैक का वसूला जा रहा है।

डेंगू के नियंत्रण को जागरूकता के नाम पर अदायगी मरीजों की जान पर भारी पड़ रही है। अस्पताल और झोलाछाप कर रहे हैं तो सरकारी बेड हैं और न जांच के पूरे इंतजाम। यहां तक की अस्पताल का ब्लड बैंक पूरा नहीं कर पा रहा है। यहां सेपरेटर यूनिट में जंबो पैक बनाने की मशीन और निजी अस्पताल हर साल की तरह इस साल वालों से 25-50,000 रुपये ऐंठ लिए जा रहे हैं। अपने मरीज की जान बचाने में लगे हैं। जिला विवरण भी स्टॉक बोर्ड पर शनिवार को दिन में जरूरत के ग्रुप का रक्त न होने की बात कह कर की महिला रेशमा ने बताया कि खून के लिए बिना गंभीर जरूरत पर भी खून नहीं दिया जा खानापूर्ति करना और एहतियात के उपाय की रस्म गंभीर रूप से बीमार मरीजों का शोषण एक तरफ निजी अस्पताल में न तो मरीजों को भर्ती करने के लिए पर्याप्त डेंगू के गंभीर मरीजों को प्लेटलेट्स की जरूरत भी जिला अस्पताल में रेयर ग्रुप के रक्त का भंडारण भी नहीं है। नहीं है। जिससे जंबो पैक के नाम पर निजी ब्लड बैंक भी लूटने में लगे हैं। एक जंबो पैक के लिए मरीज के घर मरता क्या न करता की तर्ज पर तीमारदार रुपये देकर अस्पताल में किस ग्रुप के रक्त का भंडारण है इसका दर्ज नहीं मिला। यहां आए कई मरीज और तीमारदार को लौटाया जा रहा था। कुंदरकी से आई मरीज के परिवार भटकना पड़ रहा है। अभी नहीं है, बाद में आना, डोनर के रहा है। एक मरीज ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यहां पर खून देने के नाम पर मनमानी की जा रही है। कुछ लोगों को इशारे से बुलाकर रक्त दे रहे हैं और दूसरों को खून न होने की बात कहकर लौटा रहे हैं।जिला अस्पताल की ब्लड बैंक की पैथोलॉजिस्ट शिल्पा अग्रवाल का कहना है जिस रक्त समूह का खून उपलब्ध है उसे मरीजों को दे रहे हैं। खून लेने वाले मरीज को डोनर लाना होता है और साथ ही जो सरकारी शुल्क है वह देना होता है। थैलेसीमिया के मरीजों को निशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। रेयर ग्रुप के खून की कमी- सबसे दुर्लभ रक्त प्रकार बी नेगेटिव (बी-वे) है। इसके अलावा एबी नेगेटिव, एबी पॉजिटिव दुर्लभ रक्त समूह में शामिल हैं। जिला अस्पताल की ब्लड बैंक प्रभारी की पैथोलॉजिस्ट ने बताया कि दुर्लभ रक्त ग्रुप के रक्तदाता कम होते हैं। यह किसी के अपने परिवार के सदस्य में ही मिलने की संभावना अधिक रहती है। इस समूह का रक्तदाता तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। वह बताती हैं कि प्लेटलेट्स अधिकतम पांच दिन सुरक्षित रखी जा सकती हैं। एक हजार यूनिट भंडारण क्षमता का है रक्तकोष- जिला अस्पताल के रक्तकोष की भंडारण क्षमता 1000 यूनिट रक्त की है। यहां ब्लड सेपरेटर यूनिट भी है। लेकिन इस सेपरेटर यूनिट में जंबो पैक बनाने की सुविधा नहीं है। जिससे मरीजों को निजी ब्लड बैंक का सहारा लेना पड़ता है। जिसके लिए उसे मजबूरी में बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी की अध्यक्षता में ब्लॉक प्रमुख को पुष्प गुच्छ देकर शिष्टचार भेंट की

क्यूँ न लिखूँ सच
शेर सिंह

बरेली- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ब्लॉक इकाई बिथरी चैनपुर की टीम ने ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी की अध्यक्षता में ब्लॉक प्रमुख को पुष्प गुच्छ देकर शिष्टचार भेंट की।उसके बाद उनको संबोधित ज्ञापन दिया।संग्ठन ने मांग की है कुछ विद्यालयो में सफाई कर्मचारियो द्वारा पूरे वर्ष में 4 या 5 वार ही स्कूल की साफ-सफाई की जाती है।जिससे कि स्कूलो में सही से साफ सफाई नही रहे पाती है।प्रमुख जी द्वारा त्वरित कार्यवाही करते पूरी टीम को सोमवार को ब्लॉक कार्यालय बुलाया गया है और सफाई कर्मियों की भी मीटिंग रखी है,उनसे पता किया जाएगा कि पूरे वर्ष में 3,4 बार ही कुछ स्कूलो की सफाईयो क्यो की जा रही है।जिला संगठन मंत्री जितेंद्र गंगवार द्वारा बताया गया कि ब्लॉक के एक दो स्कूलों में बच्चो के स्कूल तक आने में रास्ता बहुत खराब है। बरसात के दिनों में बच्चो को जूते निकालकर स्कूल आना पड़ता है,इस पर प्रमुख जी द्वारा आस्वस्त किया गया कि वहाँ जल्द ही किसी भी मद से बच्चो के आने का रास्ता सुगम किया जाएगा।बाकी उन्होंने टीम को बताया किसी भी स्कूल में सफाई को लेकर समस्या है वो उन्हें सीधे फ़ोन करके भी समस्या से अवगत करा सकता है,वो कार्य कराने के लिए तत्पर है।इस पर पूरी टीम ने उनका धन्यवाद प्रेषित किया।ज्ञापन देने बालो में ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी,ब्लॉक महामंत्री अनपूर्णा कुशवाहा,कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद कुमार,संगठन मंत्री अजय कुमार, उपाध्यक्ष विश्वजीत, उपाध्यक्ष अनिल कुमार,सह संगठन मंत्री नीतू गुप्ता,कोषाध्यक्ष प्रदीप पुष्कर, आदि लोग रहे।

नगर पालिका ने शहर में बनाए सात टैक्सी स्टैंड

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -शहर में संचालित हो रहे अवैध स्टैंड अब नहीं चल सकेंगे। नगर पालिका ने सात नए स्टैंड बनाकर टैंडर कर दिए। शहर में जगह-जगह लगने वाले जाम से भी राहत मिल जाएगी। यह टेंडर 16 लाख रुपये से अधिक की कीमत के हुए है। अतिक्रमण और सड़कों पर लगने वाले जाम की खबरों को हिन्दुस्तान ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। शनिवार को नगर पालिकाध्यक्ष सुधा गुप्ता और ईओ संजय कुमार गौतम ने संयुक्त रुप से शहर के शिकोहाबाद रोड, ठंडी सड़क, अलीगंज रोड, पीपल अड्डा, आगरा रोड, निधौली रोड, सकीट रोड आदि मार्गों पर निर्धारित अस्थाई ऑटो टैक्सी स्टैंड बनाने के लिए ठेकेदार नियुक्त किए हैं। नगर पालिका अधिकारियों ने सातों वाहन स्टैंड का ठेका कुल 16.80 लाख में उठाया। इसके अलावा मंगल बाजार को व्यवस्थित और अधिक विकसित करने से संबंधित चार लाख रुपये का ठेका उठाया। वहीं कचहरी पर वाहन पार्किंग व्यवस्था के लिए कुल 35 हजार का ठेका उठाया गया है। नगर पालिका के इस कदम से एक तरफ शहर की यातायात व्यवस्था में काफी सुधार होगा। वहीं पालिका की आय में भी इजाफा होगा। शनिवार को नगर पालिका ईओ ने बताया कि वाहन स्टैंड बनने के बाद मार्गों पर जहां तहां ऑटो और ई-रिक्शा को खड़ा कर सवारियां बैठाने वालों पर कार्रवाई होगी। इसके साथ कचहरी पर व्यवस्थित वाहन पार्किंग बनने से लोगों को आवागमन में दिक्कतें नहीं होगी। मंगल बाजार में दुकान लगाने वाले पथ विक्रेताओं से ठेकेदार निर्धारित शुल्क वसूलेगा, जिससे बाजार में मूलभूत सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

पालिका ने निर्धारित किया वाहन स्टैंड शुल्क

पालिका के माध्यम से अस्थाई टैक्सी स्टैंड पर ई-रिक्शा और ऑटो खड़े करने के एवज में संचालकों को प्रतिदिन 15 से 30 रुपये तक देने पड़ेंगे। वहीं साप्ताहिक मंगल बाजार में दुकान लगाने वाले पथ विक्रेताओं को 10 गुणा 10 फीट की दुकान लगाने के एवज में 250, 10 गुणा 5 फीट की दुकान लगाने पर 150 और छह गुणा चार फीट की दुकान लगाने वालों को 100 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से रुपये देने होंगे।

एटा में एक शराबी गुंडे द्वारा एक बच्ची के साथ छेड़खानी करने का विरोध करना एक मासूम को पड़ा भारी

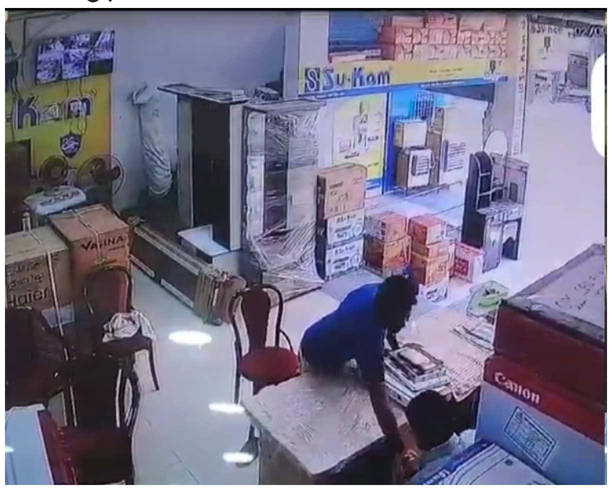

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -एटा में एक शराबी गुंडे द्वारा एक बच्ची के साथ छेड़खानी करने का विरोध करना एक मासूम को पड़ा भारी, आरोपी ने मासूम के साथ की मारपीट, गर्दन सहित उसके शरीर पर आई कई गंभीर चोटें,घटना सीसीटीवी कैमरे हुई कैद, आरोपी रवि राजपूत पर बच्चियों से छेड़छाड़ और मासूम बच्चे के साथ बे-रहमी से मारपीट करने का आरोप, पीड़ित पिता ने आरोपी रवि राजपूत को शराबी और गुंडा किस्म का बताया, आरोपी शोरूम पर बैठी बच्चियों से कर रहा था छेड़छाड़, पीड़ित मासूम वर्चस्व शाक्य 9 बर्ष की उम्र का एक मासूम बच्चा है

जो तीसरी क्लास का छात्र बताया जा रहा है, पीड़ित परिजनों ने थाना कोतवाली नगर में आरोपी रवि राजपूत के खिलाफ छेड़खानी और मासूम से मारपीट करने की एफआइआर दर्ज कराई है, थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के रेलवे रोड़ हनुमान गढ़ी के पास साांई इलेक्ट्रोनिक वर्ल्ड शोरूम का मामला।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई, संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा।संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा की रविवार को श्री पीसी आज़ाद इन्टर कालेज बिहार कला में अरविंद कुमार निरीक्षण अधिकारी,नायब तहसीलदार बहेड़ी, केन्द्र व्यावस्थापक डॉक्टर राजेंद्र कुमार गंगवार, डॉक्टर मेहरबान सिंह के नेतृत्व में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12=30बजे तक तथा द्वितीय पाली 2बजे4=30बजे तक सम्पन्न हुई।

परीक्षा में कुल पंजीकृत 305 में से 214बच्चों ने परीक्षा दी। 91ने परीक्षा छोड़ दी।इस मौके पर शिक्षक जलज सक्सेना, प्रदीप कुमार गुप्ता, प्रफुल्ल कुमार,पारस गंगवार, सुनील कुमार, कमल गंगवार,सनोज गंगवार, नरेश गंगवार,जयवीर तोमर, वरिष्ठ लिपिक चौधरी पंकज सिंह सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा

दहेज हत्या के आरोप में चार को दस-दस वर्ष की सजा

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -दहेज ना मिलने पर विवाहिता की हत्या करने के मामले में दस वर्ष की सजा सुनाई गई। 32 हजार रुपये का अर्थदंड भी देना होगा। डीजीसी क्राइम रेशपाल सिंह ने बताया कि राजवीर सिंह ने अपनी बेटी रीना की शादी संजीव कुमार निवासी धरपसी थाना मारहरा के साथ की थी। बेटी को उसके पति संजीव कुमार, सास रामबेटी, ननद रीना की ओर से प्रताड़ित किया जाता था। जेठ अजब सिंह अतिरिक्त दहेज में एक रंगीन टीवी, 50 हजार नकद और एक भैंस मांग रहे थे। जबकि पहले ही एक बाइक और नगदी दे दी थी। बेटी जब रक्षाबंधन पर अपने मायके आई तो उसने यह सारी बातें अपने पिता को बताई। यही मांग शिकायतकर्ता की बेटी के ससुराल वालों ने शिकायतकर्ता के सामने दोहराई और असमर्थता जताने पर उनकी बेटी के ससुराल वाले उनकी बेटी को अपने साथ ससुराल ले गए और उसकी 14 अगस्त 2009 को हत्या कर दी। उनकी बेटी के ससुर जसवन्त सिंह भी इसमें शामिल थे।

जिला जज ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद सजा सुनाई है। सजा के साथ अर्थदंड भी-उदयवीर पुत्र भूरी निवासी कुंजलपुर थाना जलेसर ने अपनी बहन सावित्री की शादी राजकुमार उर्फ टिंकू निवासी सरुपा थाना राया जनपद मथुरा के साथ की थी। शादी के बाद ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि दस जुलाई 2017 को धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। परिजनों की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने आरोपी पत्र दाखिल कर दिया। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद पति टिंकू सहित दो लोगों दस-दस वर्ष की सजा और 35-35 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

जिलाधिकारी को दी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -एटा जनपद में अपने सबा दो वर्ष के कार्यकाल में एटा जनपद के चतुर्मुखी विकास के लिए,ग्राम ओरनी में नवीन यूपीएस आईडीसी,क ी स्थापना, ग्राम सकतपुर में सूर्य ऊर्जा,इकाइयों की स्थापना, मलाबान में श्री सीमेंट फैक्ट्री की स्थापना,के साथ ,साथ आईआईडीसी, एवम आईए साइड यूपीएस आईडीसी, जीटी रोड एटा के अंतर्गत करीब40 नवीन औद्योगिक इकाइयों की स्थापना,तथा जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में करीब50,नवीन औधोगिक, इकाइयों की स्थापना,में महत्व पूर्ण भूमिका अदा करने और, 200बेसिक विद्यालयों,की बाउंड्री बाल कराकर बच्चो को सुरक्षित शिक्षा प्रदान कराने के सम्बद्ध में अहम भूमिका निभाने वाले,प्रत्येक फरियादी को पूर्ण न्याय दिलाकर जनपद निबासियो में प्रशासन की न्याय प्रियता की छबि स्थापित करने वाले,तथा,बड़े से बड़े दबंगों,भूमाफियाओं के विरुद्ध, विना किसके दबाव कोमाने कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने वाले लोक प्रिय जिला धिकारी श्री अंकित कुमार अग्रवाल के जनपद रामपुर जिलाधिकारी के पद पर हुए स्थानांतरण,पर उनके विदाई समारोह में सोल उड़ाकर स्वागत कर विदाई देते हुए ब्रह्म समाज एकता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दीक्षित एवम मुख्य महासचिव कुंवर अमित राज दीक्षित

माँ गंगा महारानी जी की शोभायात्रा व उर्स-ए-आला हजरत पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने किया क्षेत्रीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- जिलाधिकारी श्री शिवाकान्त द्विवेदी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री घुले सुशील चन्द्रभान ने माँ गंगा महारानी की शोभायात्रा व उर्स-ए- आला हजरत की दृष्टि से शोभायात्रा के रूट का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। आगामी दिनांक 10, 11 व 12 सितम्बर, 2023 को उर्स-ए-आला हजरत को मनाया जायेगा और इसी बीच शोभायात्रा भी निकलेंगी। दोनों आयोजनों को शांति पूर्वक व व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज उच्चाधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं कराए जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी गण को दिये गए। उन्होंने लोगो से अपील की कोई नई परम्परा न डाली जाये। तथा किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दिया जाये। उन्होंने कहा कि कोई भी भ्रामक पोस्ट मैसेज, सोशल मीडिया में न डालें अन्यथा कठोर कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने मलूकपुर स्थित माँ गंगा महारानी मंदिर , दरगाहे आलाहज़रत, इस्लामियां कालेज ग्राउण्ड व रुट का निरीक्षण किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन आयोजनो को सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु पुलिस बल की पर्याप्त मात्रा में ड्यूटी लगायी जायेगी, सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे, अस्थायी पुलिस चौकियां भी बनायी जाएंगी। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर श्री राहुल भाटी, अपर जिलाधिकारी नगर डॉ0 आर0डी0 पाण्डेय, थानाध्यक्ष एवं आला हजरत उर्स कमेटी के सदस्य सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे ।।

थाना प्रभारी के स्थानांतरण पर किया विदाई समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा -सकीट। थाना प्रभारी अनुज चौहान के स्थानांतरण होने पर सहयोगी पुलिस कर्मियों ने विदाई समारोह का आयोजन किया। नवागत थाना प्रभारी कृष्ण कान्त लोधी का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। कस्बा के लोगों ने बताया कि अनुज चौहान के नौ महीने के कार्यकाल मे उन्होंने कई प्रकार के सराहनीय कार्य किए। लोगों ने नवागत थाना प्रभारी से इनसे भी अच्छे कार्य करने की उम्मीद जताई है। इस मौके पर प्रधान सचिन वर्मा, संजेश यादव, प्रेम पाल वर्मा, बौबी यादव, गौरव कुमार, हरेन्द्र यादव, इब्राईल, वकील अंसारी, एसआई जोगेन्द्र सिंह, अशोक कुमार, चन्द्र शेखर, सचिन, भूपेन्द्र , जनवेदय, रामवीर , हेमन्त कुमार, मोहित कुमार, आकाश कुमार, रवी कान्त आदि लोग मौजूद रहे।

विराट कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह के साथ पुस्तक का हुआ लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- अखिल भारतीय काव्यधारा संस्था के तत्वावधान में स्थानीय स्टेडियम रोड स्थित लोक खुशी चैरिटेबल सभागार में विराट कवि सम्मेलन, पुस्तक - लोकार्पण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष/ साहित्यकार जितेंद्र कमल आनंद ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं खुश्लोक अस्पताल के निदेशक डॉ. विनोद पागरानी रहे।

संचालन प्रख्यात कवि रोहित राकेश ने किया। माँ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर साहित्यकारों एवं समाजसेवियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया जिसमें डॉ. विनोद पागरानी , डॉ. महेश मधुकर, रोहित राकेश (बरेली),डॉ. अरविंद धवल (बदायूं), प्रमेश लता पाण्डेय (कासगंज), राममूर्ति गौतम,रामधनी निर्मल, रीतेश साहनी एवं जसवंत कौर जस्सी (बिलासपुर) को सम्मान स्वरूप शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कमल आनंद, राष्ट्रीय महासचिव रामकिशोर वर्मा, अध्यक्ष डॉ. महेश मधुकर एवं सचिव उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने प्रदान किया। कार्यक्रम में जितेंद्र कमल आनंद द्वारा संपादित पुस्तक 卐कही अनकही卐 (साझा काव्य संकलन) एवं खटीमा के कवि राम रतन यादव की गीत सागर पुस्तक का लोकार्पण अतिथियों द्वारा किया गया। नगर एवं बाहर से पधारे कवियों ने अपने सरस काव्य पाठ से कवि सम्मेलन में देर शाम तक समाँ बाँधे रखा और सामाजिक विसंगतियों पर करारा प्रहार किया। संस्था के राष्ट्रीय महासचिव राम किशोर वर्मा, अध्यक्ष डॉ महेश मधुकर,सचिव उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट, उपाध्यक्षा डॉ शालिनी शर्मा मुक्ता, कोषाध्यक्ष विधु आनंद, रणधीर प्रसाद गौड़ धीर, रश्मि चौधरी (रामपुर),सत्यपाल सिंह स ज ग , र ज न ी सिंह(पीलीभीत),राम रतन यादव(खटीमा) ऋषी श्रीवास्तव ऋषी(लखनऊ), राम प्रकाश सिंह ओज, रामकुमार अफरोज,एस.के. कपूर ,डॉ गीता मिश्रा गीत (हल्द्वानी) ,किरन प्रजापति दिलवारी, डॉ. आर.सी. पांडेय,मनोरमा शर्मा(अमरोहा)डॉ. वी. के. चन्द्र सखी(गाजियाबाद),(बरेली)डॉ. थम्मन लाल वर्मा विकल(बीसलपुर) डॉ.वन्दना शरद,एवं रीतेश कुमार साहनी आदि उपस्थित रहे। अंत में आभार संस्था के सचिव उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने सभी के प्रति प्रकट किया।

शातिर चोर जेवरात व नगदी सहित गिरफ्तार साथी के पास है लाइसेंसी रिवाल्वर

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद कोतवाली फतेहगढ़ पुलिस ने शातिर चोर पंकज बाथम को चोरी के जेवरात व नगदी सहित गिरफ्तार किया पुलिस ने थाना कादरी गेट के ग्राम देवरामपुर निवासी पंकज बाथम पुत्र गिरीश को पुलिस लाइन के सभागार में पुलिस अधीक्षक के सामने पेश किया एसपी विकास कुमार ने मीडिया को बताया कि पंकज ने साथी बड़े लला के सहयोग से नेकपुर में फौजी के आवास से एवं केशव नगर में बीते दिनों नगदी जेवरात सहित लाइसेंसी रिवाल्वर चुराई थी पुलिस ने पंकज को गिरफ्तार कर दोनों चोरी की घटनाओं में मिले 1900 रुपए तीन मंगलसूत्र सोने की तीन अंगूठी एवं टॉप्स बरामद किए हैं एसपी ने पंकज के हवाले से बताया कि फौजी के घर से 9500 से रुपए व थोड़े जेवरारात मिले थे पंकज एवं

कादरीगेट के ग्राम श्याम नगर निवासी बड़े लला पुत्र शिवराम ने चोरी में मिले रुपए व जेबरात आपस में बांट लिए पंकज ने अपने हिस्से के काफी रुपए खर्च कर दिए हैं पुलिस बड़े लला को गिरफ्तार कर लाइसेंसी रिवाल्वर बरामद करेगी मालूम हो की नेकपुर कलां अंबेडकर कॉलोनी निवासी विक्रम सिंह चौहान ने 15 अगस्त को चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी विक्रम सिंह भारतीय थल सेवा में नायक के पद पर लद्दाख में तैनात है वह 14 अगस्त की रात घर में सोए थे उन्होंने 32 बोर रिवाल्वर 30 कारतूस 6 लाख की नगदी मोबाइल फोन सोने का हार दो सोने की जंजीर एक मंगलसूत्र सोने की चार चूड़ियां आठ सोने की अंगूठी दो जोड़ी चांदी की पायल एक सोने की कडी एवं 120000 रुपयों की नगदी चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी

विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह द्वारा चरण पादुका योजना के अंतर्गत बांटे गई धुरकुक्ष गाव मे सामग्री

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा जिला के डभौरा नगर परिषद में चरण पादुका योजना के अंतर्गत बाटी गई सामग्री डभौरा, रीवा, वन परिक्षेत्र अधिकारी डभौरा, एवं डिप्टी रिंजर रमाकांत द्विवेदी, फॉरेस्ट गार्ड अनिल तिवारी सहित वन विभाग के कर्मचारी अधिकारी एवं आमजन महिलाएं पुरुष कार्यक्रम में उपस्थित थे वही, वन विभाग के कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी ने विधायक जी कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए विधायक से वन कर्मचारी के संबंध में बात की एवं बोले पुलिस की तरह 24 घंटा वन कर्मचारी काम करते हैं फील्ड में जिन्हें शासन द्वारा हार्दिक सुविधा उपलब्ध कराई जाती है वही वन कर्मचारी के साथ ऐसा सौतेला व्यवहार क्यों क्या वन कर्मचारी वर्दी नहीं पहनते हैं क्या 24 घंटा कार्य नहीं करते हैं रविवार तक की छुट्टी भी उनको नहीं दी जाती है लेकिन विभागीय वर्क का कार्य सबसे ज्यादा होता है साथ ही , घने जंगल में ड्यूटी होने के कारण डकैतों से बड़ा खतरा अपनी आत्म सुरक्षा के लिए कोई भी अस्त्र-शस्त्र उपलब्ध नहीं है ऐसी हालत में वन विभाग के कर्मचारी एकदम हताश हो गए हैं ऐसी हालत में सत्ता पर सरकार एवं विधायक सिरमौर पर भरोसा करते हुए वन विभाग के कर्मचारियों ने समस्या की निदान की मांग की

पीड़िता की आपदा में दरोगा ने ढूंढ़ा अवसर, बोला- पति घर पर न हो तो आ जाना, मैं भूखा हूं

यूपी के घाटमपुर स्थित साढ़ थाना में तैनात उम्रदराज एक उपनिरीक्षक का विवाहित युवती के साथ बातचीत का आपत्तिजनक ऑडियो स्थानीय सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। विवाहित युवती पति द्वारा मारपीट करने की शिकायत करने पर दरोगा को अंकल कह मदद करने को कहती लेकिन दरोगा मदद करने के पहले दोस्ती करने और अकेले में मिलने का दबाव बनाता रहा। दरोगा विवाहित युवती से बोलता है कि... दोस्ती करोगी कि नहीं... इस पर युवती...नहीं अंकल कह अपना जवाब देती है। एडीसीपी अंकित शर्मा ने साढ़ थाने में तैनात रंगिन मिजाज दरोगा तेजवीर सिंह को निलंबित कर जांच एसीपी घाटमपुर दिनेश शुक्ला को सौंपी है। दरोगा विवाहित युवती से बोलता है कि... दोस्ती करोगी कि नहीं... इस पर युवती...नहीं अंकल कह अपना जवाब देती है। एडीसीपी अंकित शर्मा ने साढ़ थाने में तैनात रंगिन मिजाज दरोगा तेजवीर सिंह को निलंबित कर जांच एसीपी घाटमपुर दिनेश शुक्ला को सौंपी है। वायरल वीडियो की पुष्टि क्यूँ न लिखूँ सच नहीं करता है। वायरल ऑडियो में पीड़िता के मुताबिक उसने प्रेम विवाह किया है। बताया शादी के बाद एक युवक ने उसे वीडियो कॉल पर बात की और उसका स्क्रीन वीडियो बना लिया। इसके बाद मिलने के लिए ब्लैकमेल करने लगा। उसने जब मिलने से मना कर दिया तो वीडियो उसके पति को भेज दिया। जिसके बाद पति उसे आए दिन मारपीट करने लगे। इसी बात की शिकायत करने पर जांच हल्के के दरोगा तेजवीर सिंह से

मिली। दरोगा तेजवीर सिंह ने तहरीर में लिखे फोन नंबर से नव विवाहिता को फोन कर बात करने लगा। जिस पर पति शक करने लगे और हमेशा मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। दरोगा तेजवीर सिंह और पीड़िता विवाहित युवती के बीच 10 मिनट 56 सेकेंड तक हुई बातचीत के अंश...दरोगा - फोन पर क्या बताऊं मैं सम्मान का भूखा हूं और कुछ नहीं चाहिए। पीड़िता - आपकी बात ठीक है। रात का समय है मेरे घरवाले मुझ पर शक करते हैं। रात में बात नहीं कर सकती। दरोगा- कल कितने बजे टाइम निकलोगी। पीड़िता - दोपहर में। दरोगा - दोपहर में किस टाइम पर बात करूं। तुम्हारे पति कितने समय ड्यूटी आते जाते हैं। पीड़िता - 12 बजे मेरे पति ड्यूटी करने जाते हैं। रात को 12 बजे आते हैं तो दोपहर में करना। दरोगा - यार बउवा को लेकर घूमने चली आओ, दस मिनट के लिए मिलते हैं यार.... पीड़िता - अंकल जी ठीक नहीं लगता है, दोपहर में बउवा स्कूल जाता है। दरोगा - अब मैं खुश हूं, मैं खुद घर आ जाता पर लोग कहेंगे पुलिस वाला घर आया था। पीड़िता - बात ठीक है, पर मुझे आपसे मदद चाहिए और कुछ नहीं। दरोगा - मैं तुम्हारी पूरी मदद करूंगा, मिल जाओ आकर... पीड़िता - मैंने दूसरे जाति के युवक के साथ लव मैरिज की थी। पति शक में पीटता है, मुझे चोट भी लग गई है। दरोगा - तुम मेरी बात सुनो, दवा ले लो, पैसे मैं खर्च करुंगा। पैसों की टेंशन तुम बिल्कुल मत लेना। मैं 12 बजे फोन करूंगा तुम्हें और तुम मुझे फोन मत करना। नहीं तो मेरे घर पर झगड़ा हो जाएगा। पीड़िता - आजकल किसी पर विश्वास नहीं किया जा सकता अंकल। दरोगा - तो मैं दोस्ती मान लूं, अच्छा इंसान हूं। इंसान को भूख लगती है। तो उसे खाना चाहिए। पीड़िता - नहीं अंकल आप मुझसे बहुत बड़े हैं, उम्र में भी। आपकी नजर में कुछ और है, इसके बाद फोन कट जाता है।

हापुड़ की घटना के विरोध में अधिवक्ताओं की तीन दिवसीय हड़ताल सोमवार से, बार काउंसिल ने की घोषणा

हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज और गाजियाबाद में अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या के विरोध में इलाहाबाद हाईकोर्ट सहित पूरे प्रदेश के अधिवक्ता सोमवार से न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे।

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ ने बताया पूरे प्रदेश में अधिवक्ता तीन दिनों तक हड़ताल पर रहेंगे। 29 अगस्त को हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज किया गया था। इसके विरोध में 30 अगस्त को अगस्त को भी न्यायिक कार्य से विरत रहे। इसके बाद से हाईकोर्ट में कामकाज ठप ही चल रहा है। बीच में रक्षा बंधन का त्योहर के चलते कोर्ट बंद रहा। सोमवार से कामकाज शुरू होने की संभावना थी लेकिन यूपी बार काउंसिल के आह्वान पर फिर हड़ताल की घोषणा कर दी गई। बता दें कि 29 अगस्त को हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज किया गया था। इसके विरोध में 30 अगस्त को अगस्त को भी न्यायिक कार्य से विरत रहे। इसके बाद से हाईकोर्ट में कामकाज ठप ही चल रहा है। बीच में रक्षा बंधन का त्योहर के चलते कोर्ट बंद रहा। सोमवार को कामकाज शुरू होने की संभावना जताई जा रही थी कि यूपी बार काउंसिल के आह्वान पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और जिला अधिवक्ता संघ ने सोमवार को न्यायिक कार्य से विरत रहने की घोषणा कर दी।

थाना प्रभारियों द्वारा आगामी त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विकास कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारियों द्वारा आगामी त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विकास कुमार के निर्देशन में समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों द्वारा आगामी त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु संभ्रांत व्यक्तियों व पीस कमेटी के सदस्यों से गोष्ठी की गयी एवं त्यौहारों को शान्ति एवं सौहार्द पूर्वक मनाने की अपील की गयी। फर्रुखाबाद आज दिनांक 3/ 9/ 2023 को थाना हाजा पर प्रभारी निरीक्षक महोदह थाना कोतवाली फर्रुखाबाद द्वारा आगामी चेहल्लुम व जन्माष्टमी के त्योहार के संबंध में सभी व्यापारीगण व सभी सभासद और सम्मानित व्यक्तियों की पीस कमेटी की मीटिंग ली गई

श्री गोकुल समाज सेवा संस्थान द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी फोड़ बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा- अशोक नगर प्रतियोगिता के संबंध में स्थानीय पठार पर स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित की गई जिसमें सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी मटकी फोड़ का कार्यक्रम अशोकनगर के हृदय स्थल गांधी पार्क पर किया जाएगा एवं मटकी की ऊंचाई 18 फिट रहेगी एवं सुरक्षा की दृष्टिकोण से नीचे बोरों में भूसा भरकर डाले जाएंगे और उसके ऊपर से गाजर घास बिछाई जाएगी और कार्यक्रम शाम 7~00 बजे से प्रारंभ किया जाएगा और श्री कृष्ण जन्माष्टमी बड़े ही धूमधाम से ढोल नगाड़े के साथ मनाई जाएगी इस बीच संगठन के संस्थापक राहुल शर्मा ,जिला अध्यक्ष दीपक चौबे, नीरज शर्मा गोरा, वरिष्ठ दीपक शर्मा, अनुज शर्मा, धर्मेंद्र तिवारी, पुनीत पंडा,सुमित ताम्रकार, अंकित शर्मा, सुमित चौबे आदि सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे

धार्मिक पोस्ट लिखे वाहनों को लेकर यातायात पुलिस ने चलाया संघन चेकिंग अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। रविवार को शासन के आदेश का धरातल पर पालन करवाने को लेकर यातायात पुलिस ने पांच सितारा होटल के समीप लगातार वाहनों के लिए संघन चेकिंग अभियान चलाकर पहले तो उन्हें सरकार की मंशा

बताकर वाहनों पर धार्मिक एवं जातीय पोस्ट लिखे हुए को तुरन्त हटाने को जागरूक कर रही।

वहीं तमाम वाहनों के चालन भी काटे गए।इस मौके पर एस आई कपिल राघव, अरविंद कुमार, सद्दाम हुसैन, अंकित नेहरा सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

तेज रफ्तार बनी कालः पलक झपकते ही दंपती समेत चार की मौत, लखनऊ के अब्दुल्ला की खत्म हुई दुनिया

पीलीभीत में असम हाईवे पर शनिवार रात करीब साढ़े तीन बजे दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नींद की झपकी आने से तेज रफ्तार कार हाईवे पर खड़ी डीसीएम में जा घुसी, जिससे कार में सवार दंपती समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मासूम समेत दो घायल हो गए।पीलीभीत के सेहारामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र में असम हाईवे पर खड़ी डीसीएम से तेज रफ्तार कार टकरा गई। हादसे में लखनऊ के मोहल्ला खदरा निवासी अब्दुल्ला, उनकी पत्नी साईमा राहत उर्फ अमरीन, चचेरी बहन बुतुल, मरियम की घटना स्थल पर मौत हो गई। कार सवार अब्दुल्ला की आठ महीने की पुत्री अभीया और मरियम का भाई आमीन घायल हो गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया है। सभी लोग कार से नैनीताल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि हादसा नींद की झपकी आने से हुआ। कार की रफ्तार भी तेज थी। हादसा शनिवार रात करीब तीन पूरनपुर हाईवे पर शाहजहांपुर की सीमा से तीन किलोमीटर पहले कजरी निरंजनपुर गांव के पास हुआ। कार सवार लखनऊ से पीलीभीत की तरफ आ रहे थे। असम हाईवे पर शाहजहांपुर की सीमा से करीब तीन किलोमीटर पहले मुर्गों को लेकर जा रही डीसीएम शनिवार रात को खराब हो गई थी। डीसीएम सवार मुर्गों को दूसरे वाहन से ले गया। डीसीएम हाईवे किनारे खड़ी कर दी।

तेज रफ्तार से थी कार

रात करीब तीन बजे लखनऊ की ओर से आ रही कार डीसीएम में पीछे से घुस गई। कार की गति काफी तेज थी। हादसे में कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। कार अब्दुल्ला चला रहा था। अब्दुल्ला के चाचा और बुतुल के पिता नसीम ने बताया कि अब्दुल्ला अपनी पत्नी, पुत्री और उसकी पुत्री बुतुल, भाई इजहार की पुत्री मरियम को साथ लेकर कार से नैनीताल जाने के लिए शनिवार रात 11 बजे घर से निकले थे। रात करीब साढ़े तीन बजे किसी ने अब्दुल्ला के मोबाइल से हादसे की जानकारी दी। सूचना पर एसओ सेहरामऊ उत्तरी मदन मोहन चतुर्वेदी पुलिस टीम के साथ मौके पर पंहुचे। कार सवार अब्दुल्ला की आठ महीने की पुत्री अभीया और मरियम का भाई आमीन ही जिंदा बचे थे शेष सभी चारों लोगों की मौत हो चुकी थी।

पहले चूका घूमने का था प्लान

पुलिस ने घायलों को कार से निकलवाकर सीएचसी भेजा। सीएचसी से दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिनको इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया है। इसके बाद अब्दुल्ला, उनकी पत्नी साईमा राहत, चचेरी बहन बुतुल व मरियम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

एएसपी अनिल कुमार यादव ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। हालांकि सीओ आलोक सिंह ने बताया कि कार सवार लखनऊ से पीलीभीत चूका घूमने आ रहे थे। इसके बाद नैनीताल घूमने जाते।

बरेली में अमानवीयताः मंदबुद्धि युवक के माथे पर गोद दिया जय भोलेनाथ, रिश्तेदार ने किया दर्दनाक मजाक

उत्तर प्रदेश के बरेली में एक युवक ने मानसिक बीमार युवक के साथ दर्दनाक मजाक किया, जिसे जानकर लोगों का कलेजा कांप गया। आरोपी ने मानसिक बीमार युवक के माथे पर जय भोलेनाथ गोद दिया। जब युवक के घरवालों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने आरोपी के घर जाकर हंगामा कर दिया। पीड़ित और आरोपी एक ही समुदाय के हैं। दोनों रिश्तेदार बताए गए हैं। बरेली में एक मंदबुद्धि युवक के माथे पर उसके ही रिश्तेदार ने जय भोलेनाथ गोद दिया। जब इसकी जानकारी हुई तो मोहल्ले के लोगों में आक्रोश फैल गया। मोहल्ले की महिलाओं ने आरोपी के घर जाकर हंगामा किया। जानकारी के मुताबिक थाना प्रेम नगर क्षेत्र में रहने वाली महिला अपने रिश्तेदार के यहां रहती है। उनके घर का सारा काम करती है। महिला का बेटा मानसिक रूप से बीमार है। आरोप है कि उसके माथे पर विद्युत विभाग में कार्यरत युवक ने किसी औजार से जय भोलेनाथ गोद दिया, जिससे उसका माथा जख्मी हो गया। जानकारी होने पर मोहल्ले की महिलाओं ने आरोपी के घर जाकर हंगामा किया। आरोप है कि उसने उन महिलाओं को फटकारते हुए धमकी दी। इस पर महिलाओं ने चौराहे पर हंगामा किया। पीड़ित के परिजनों का कहना है कि वह लोग बहुत गरीब हैं और उन्होंने इसका मजाक उड़ाया है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। हंगामा होने की जानकारी पर पहुंची पुलिस आरोपी को पकड़कर ले गई है।

हनुमानजी को सहजानंद स्वामी का भक्त दिखाने पर भड़के संत, बोले- अपने आराध्य का अपमान बर्दाश्त नहीं

अयोध्या के संत और महंतों ने हनुमानजी को सहजानंद स्वामी का दास और भक्त दिखाने पर नाराजगी जाहिर की है और स्वामी नारायण संप्रदाय के लोगों से माफी मांगने की अपील की हैश्रीराम नगरी के अयोध्या के संतों महंतों ने हनुमान जी महाराज को स्वामीनारायण संप्रदाय के सहजानंद स्वामी के भक्त और दास के रूप में दिखाने पर विरोध प्रकट किया है। कहा कि अगर स्वामीनारायण संप्रदाय के लोग सनातन समाज के संतों महंतों से और अनुयायियों से माफी नहीं मांगते हैं तो अयोध्या के संत स्वामी नारायण संप्रदाय की जन्मस्थली गोंडा जिले के छपिया नामक स्थान पर पहुंचकर कड़ा विरोध करेंगे। संतों का विरोध प्रदर्शन श्री पंच तेरह भाई त्यागी खाक चौक, संकट मोचन हनुमान किला मंदिर के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज के नेतृत्व में हुआ।महंत परशुराम दास ने कहा कि सहजानंद स्वामी संत हैं और हमारे सनातन धर्म में अनेकों संत हुए हैं जिसमें संत तुलसीदास, स्वामी वाल्मीकि, महाराज जगतगुरु रामानंदाचार्य जी महाराज सहित सैकड़ो संत हैं जिन्होंने हनुमान जी को अपना आराध्य माना और श्रीराम जी के दास के रूप में उनकी पूजा करते हैं न कि हनुमान जी को अपना दास बनाया।ऐसे में सनातन धर्म और संस्कृति का स्वामी नारायण संप्रदाय के लोगों ने एक चित्र के माध्यम से अपमान किया है। जो निंदनीय है जिसको कभी क्षमा नहीं किया जा सकता और अगर वह माफी नहीं मांगते हैं और तत्काल इस चित्र को नहीं हटते हैं तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। स्वामीनारायण की जन्मस्थली छपिया पहुंचकर हम संत जन इसका विरोध करेंगे क्योंकि हम अपने प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान जी का अपमान नहीं बर्दाश्त करेंगे और अब कोई भी अगर सनातन संस्कृति पर वार करता है

तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। इस अवसर पर महंत विजय रामदास, महंत धर्मदास, महंत मंगलदास श्रीराम कथा के मर्मज्ञ चंद्रांशु जी महाराज और संगीत के मर्मज्ञ मानस दास भोला बाबा व दरोगा दास सहित कई संत उपस्थित रहे।

भय का माहौल बनाकर वोट देने से रोकने में लगी भाजपा, घोसी उपचुनाव से पहले शिवपाल यादव का आरोप

घोसी में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने ने भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाए। कहा कि भाजपा भय का माहौल बना कर मुसलमानों, पिछड़ों को वोट देने से रोकने के प्रयास में लगी है। घोसी के करीमुद्दीनपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा भय का माहौल बना कर मुसलमानों, पिछड़ों को वोट देने से रोकने के प्रयास में लगी है। घोसी की जनता भयभीत न होकर जम कर वोट करेगी। वो सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बुनकरों, पिछड़ों व दलित समाज को भाजपा सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर डरा रही है। उनके बिजली कनेक्शन को सही होने के बाद काट रही है। उनकी जमीनों की नापी कर सरकारी भूमि बता कर परेशान किया जा रहा है। इसको लेकर अपना विरोध सपा चुनाव आयोग से दर्ज कदा चुकी है। दावा किया कि सपा प्रत्याशी को हरवर्ग, जाति, धर्म के लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। लाख कुचक्र के बाद भी सपा प्रत्याशी की भारी मतों से जीत होगी। इस अवसर विधायक दुर्गा यादव, रामगोविंद चौधरी, रामाश्रय विश्वकर्मा, कांग्रेस के पूर्व विधायक अमरेश पांडेय, जिलाध्यक्ष इंतेखाब आलम, आदि ने भी संबोधित किया।

भाजपा गरीब, दलित व पिछड़ा विरोधी : नसीम

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक नसीम अहमद ने घोसी विधान सभा उप चुनाव के क्रम में क्षेत्र के विभिन्न गावों का शनिवार की शाम को भ्रमण कर लोगों से जनसंवाद किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा गरीब, दलित व पिछड़ा विरोधी है।

नसीम अहमद ने घोसी क्षेत्र के नदवासराय, कल्हापुर, भोपौरा, हमीदपुर आदि गांवों में पहुकर लोगो से जनसंवाद कर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सुधाकर सिंह को वोट देने की अपील की।

जनसंपर्क मंत्री ने 345.86 लाख रूपये की लागत से निर्मित पुल का किया लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा - प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जनसंपर्क मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा विधानसभा के सिलपरा से कोठी भटलो मार्ग में सन्नई नदी पर 345.86 लाख रूपये की लागत से बनाये गये पुल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रीवा विधानसभा के समग्र विकास के कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। भटलो में चौतरफा विकास के कार्य हुये हैं शीघ्र ही 2.50 करोड़ की लागत से बनाये गये अस्पताल का लोकार्पण भी होगा तथा 3.50 करोड़ रूपये की लागत से सुन्दरा पुल का निर्माण किया जायेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि सन्नई नदी पर बनाये गये नवीन पुल से भटलो, इटमा, पिपरा, बम्हनगवां, कस्तरा, शुक्लगवां एवं बांसी तथा आसपास के रहवासी तथा यहां के बच्चों को जिला मुख्यालय पहुंचने में आसानी होगी तथा वह कम समय में रीवा मुख्यालय पहुंच सकेगे। लोकार्पण अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री ने कहा कि प्रत्येक गांव में हर घर में नल से पानी पहुंचाया जा रहा है। रीवा जिले के सभी गांव में अंतिम घर तक कार्य योजना बनाकर पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी नेतृत्व में मध्यप्रदेश के 51 हजार गांव के एक-एक घर में नल से पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि रीवा में लक्ष्मणबाग संस्थान में श्री रामानुज संस्कृत विद्यालय की स्थापना की जायेगी जिससे रीवा एवं लक्ष्मणबाग का प्राचीन वैभव पुनः लौटेगा। जिले में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की तरह ही अन्य गौअभयारण्य बनाये जायेंगे ताकि वहां निराश्रित गौवंश को संरक्षण मिल सके। श्री शुक्ल ने कहा कि विकास के कार्यों से समृद्धि बढ़ेगी और रीवा जिला एवं रीवा विधानसभा उत्तरोत्तर उन्नति के शिखर पर आगे बढ़ेगा तथा देश व प्रदेश में अपनी पहचान स्थापित कर सकेगा। ग्राम भटलो के सरपंच कौशल सिंह ने मांग पत्र प्रस्तुत किया। तकनीकी प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कार्यपालन यंत्री सेतु निर्माण वशीम खान ने बताया कि पुल न होने के कारण आसपास के गांव के लोग 25 किलो मीटर का घुमावदार रास्ता तय कर रीवा पहुंचते थे। पुल के बन जाने से आवागमन का मार्ग सुलभ हुआ। इस पुल को तय समय सीमा से पूर्व ही निर्मित करा लिया गया है। कार्यक्रम में लाड़ली बहनों ने मंत्री श्री शुक्ल को राखी बांधी। इस अवसर पर नारायण मिश्रा, प्रेमप्रकाश पाण्डेय, कमला सिंह सहित कार्यपालन यंत्री पीएचई शरद सिंह, संविदाकार विजय सिंह एवं भटलो तथा आसपास के गांव के रहवासी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे

Visit the oldest Ganesh temples of India, people come from abroad also

Ganesh Chaturthi is celebrated every year on Chaturthi Tithi of Shukla Paksha of Bhadrapada month. This year Ganesh Chaturthi is on 19 September. During this period, 10 day Ganesh Utsav is celebrated. Ganesh Utsav starts on the day of Ganesh Chaturthi. The Ganesh idol is immersed every 10 days. Ganpati immersion will take place on 28th September.

During the 10-day Ganesh festival, people install Ganesh idols in their homes, localities or go to Ganpati pandals in the city for worship. One can also visit many Ganesh temples on this occasion. If you are planning to travel somewhere on the occasion of Ganeshotsav, then you can visit the country's largest Ganapati temples. Here you are being told about the ancient and famous Ganesha temples. Siddhivinayak Temple, Mumbai - One of the most famous temples of Lord Ganesha is the Siddhivinayak Temple located in Mumbai, Maharashtra. It is also included in the largest temples of Lord Ganesha. Siddhivinayak temple is famous all over the world. People come here not only from India but also from abroad. The temple was built in 1801. Often leaders, industrialists and celebrities reach here for darshan. It is believed that the wishes of those who pray with a sincere heart are fulfilled in the Siddhivinayak temple. Ranthambore Ganesh Temple, Rajasthan - The world famous temple of Ganesha in Rajasthan. The history of the temple is said to be 100 years old. Devotees from all over the country and abroad come to visit the Ganesh temple of Ranthambore. The Trinetra form of Lord Ganesha is worshiped in this temple. Khajrana Ganesh Temple, Indore- During Ganesh Utsav, you can visit the Ganpati temple located in Madhya Pradesh. There is a temple of Lord Ganesha in Khajrana of Indore. This is a self-proclaimed temple. It is also counted among the richest Ganesh temples in the country. It is believed that in this temple, devotees ask for a vow and when the wish is fulfilled, they make an inverted swastika on the back of the Ganesha idol. The Ganesh idol here is three feet high. Chintaman Ganesh Temple, Ujjain – A famous temple of Gauri Putra Ganesh is also in Ujjain, the city of Mahakal. Devotees coming to visit Mahakaleshwar can visit Chintaman Ganesh temple to visit Ganpati ji. Three idols of Lord Ganesha are installed in the sanctum sanctorum of the temple. The first of these is Chintaman, the second Ichhaman and the third Siddhivinayak Ganesh idol. Doda Ganpati Temple, Bengaluru – South India is popular for its natural views as well as religious places. There are many big temples here, including the Doda Ganapati temple of Lord Ganesha. The idol of Ganesha is huge in this temple located in Bangalore. It is clear from the name itself that Doda means big. According to the name, the temple has an idol of Ganesha 18 feet high and 16 feet wide. This statue has been carved on black granite stone.

PCOS problem is very common in women, if these problems are happening since few days then be careful

Some diseases can affect men and women differently, for example cases of heart diseases. Health experts say that due to disturbances in lifestyle and diet, the risk of many types of diseases is also increasing. The problem of PCOS in women is similar. PCOS i.e. Polycystic Ovary Syndrome is mainly a problem related to menstruation, in which abnormal or long

periods can occur. This condition is also considered to increase the risk of imbalance in androgen hormones in the body, due to which there is a risk of many other health problems. The exact reasons why PCOS occurs have not been understood yet. However, health experts say that if care is not taken, there can be a risk of developing many types of chronic diseases. Let us know how this problem can be identified in time and what measures should be taken to prevent it? The risk of PCOS is increasing - According to the World Health Organization report, PCOS affects an estimated 8-13% of women of reproductive age, 70% of women worldwide may have this problem. PCOS causes excessive production of male hormones and cysts in your ovaries, there are many early signs that can indicate us about PCOS, which need serious attention. Let us know how it can be identified? Pay attention to the problem of irregular periods- It becomes necessary to pay attention to the condition of any kind of change in menstruation, sometimes it can also be a sign of serious health problems. Short or irregular menstrual periods are common symptoms of PCOS. In women with PCOS, menstruation may last several days or longer than the normal period. This condition can also increase your problems in conceiving, consult a specialist immediately regarding this problem. Hair can appear on the face and skin- In the case of PCOA, your sex hormones may start to become unbalanced and if this problem is not taken care of in time or if it is not treated, due to this, excessive hair growth on the face, hands gradually occurs. Hair starts growing. This problem is seen quite commonly in women. It becomes very important to pay attention to such symptoms and carry out treatment. Don't ignore these signs too - PCOS can have a negative impact on your physical health in many ways. It becomes necessary to identify its signs in time. Dark spots around the neck or on the skin are a sign of infertility. Hair loss on the head. Insulin levels increase significantly. Rapid changes in mood Weight gain

Don't just eat oats, also apply oats on your face, make a face pack like this.

Oats Face Pack: Eating oats relieves many health related problems. It is helpful in reducing many risks like diabetes, blood pressure. But do you know that apart from health, it is also very beneficial for the skin. Yes, you can use face pack made from oats to get glowing skin. Many nutrients like zinc, magnesium, iron, manganese, phosphorus are found in oats. Whether your skin is oily or dry, you can clean your skin with repairing damaged skin. Oats is known as a nutrients like zinc, magnesium, iron, manganese, But do you know, oats are also considered effective oily or dry, you can keep your skin clean by using damaged skin. So let us know how to make this face pack cleans the dirt accumulated on the face. the complexion of the skin, while the use of milk One teaspoon of lemon juice One teaspoon of milk oats and let it cool. Then add two tablespoons of apply on the face. Wash with lukewarm water after vitamin E and polysaccharides, which are Honey cleans dead skin. Ingredients- 2 tablespoons of preparation: To make this pack, first mix 2 honey to it. Now apply this mixture on the entire

the use of oats. Face packs made from oats help in superfood. Often people like to eat oats for breakfast. Many phosphorus are found in it, which are essential for health. in removing skin related problems. Whether your skin is it. These face packs made from oats help in repairing face pack at home. 1. Oats, lemon and milk pack – This The bleaching agents present in lemon help in brightening brightens the face. Ingredients - Two tablespoons of oats Method of preparation First of all boil two tablespoons of milk and lemon juice to it. Mix these ingredients well and about 20 minutes. Oats and honey pack- Oats contain beneficial for the skin. It helps in keeping the skin soft. oats, 1 tablespoon raw milk, 1 tablespoon honey. Method tablespoons oats and raw milk in a bowl. Add 1 tablespoon face and neck. Wash with water after about 15 minutes. It is quite easy to make a moisturizing face pack with this. Rose water is used with honey as a natural astringent which keeps the skin well hydrated and fresh. Oats and almond pack Using this pack, you can get a natural glow on the skin. You can use this face pack 1-2 times a week. Ingredients-4-5 almonds One tablespoon oats 2 teaspoons milk First grind almonds and oats in a mixie. Make a paste by adding 2 spoons of milk to it. And apply it on the face. Wash with water after about 15 minutes. This pack works as a natural moisturizer.

Manoj Joshi once yearned for work, then became 'Kachra Seth' and made fans crazy with '150 Rupiya'

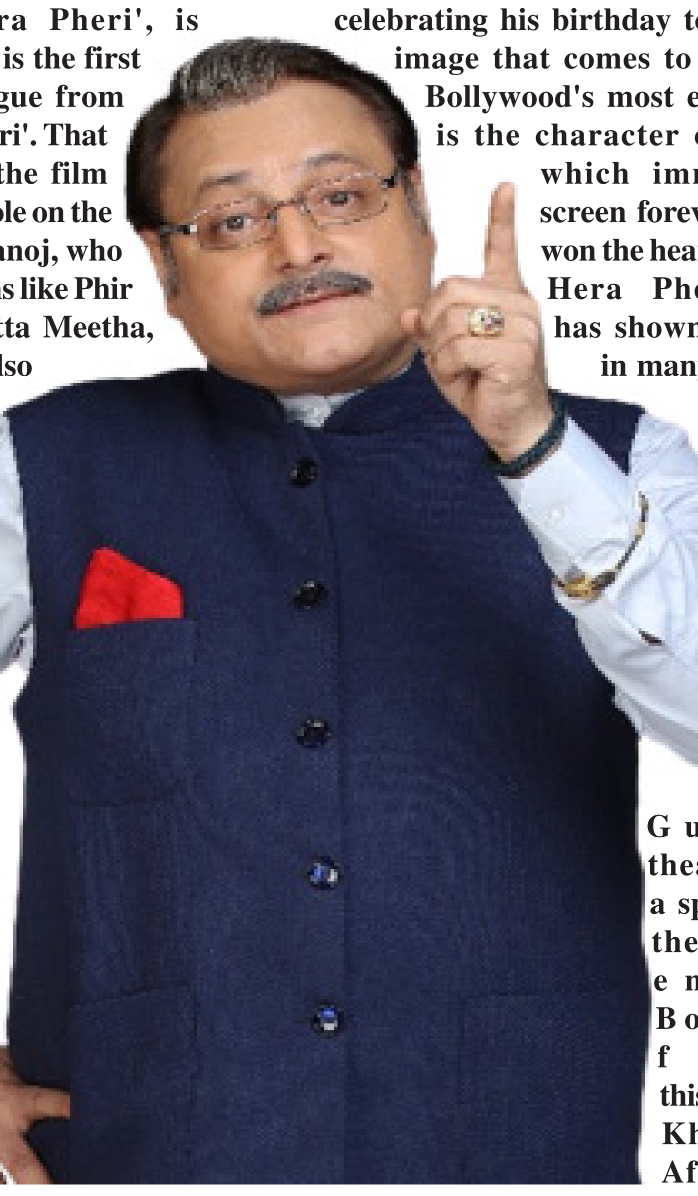

Actor Manoj Joshi, who played the character of 'Kachra Seth' in Bollywood's most entertaining comedy film 'Phir Hera Pheri', is celebrating his birthday today i.e. on September 3. '150 Rupiya' is the first image that comes to your mind when you hear this dialogue from Bollywood's most entertaining comedy film 'Phir Hera Pheri'. That is the character of the film 'Kachra Seth'. This was the film which immortalized actor Manoj Joshi and his role on the screen forever. Worked in more than 100 films - Manoj, who won the hearts of people with his strong acting in films like Phir Hera Pheri, Chup Chup Ke, Hungama, Khatta Meetha, has shown his acting skills not only in films but also in many TV shows and theatres. The magic of The actor is known for his comedy roles. During his film career, he worked in more than 100 films. Appeared in these films - Manoj started his career with Hindi and Gujarati theatre. After making a splash in the theatre, the actor entered Bollywood film with the 1999 'Sarfarosh'. In this film he was seen with Aamir Khan and Naseeruddin Shah. After this he worked in many films including 'Chandni Bar', 'Abke Baras', 'Devdas'. But he got recognition from comedy films. Honored with the National Award - Manoj has also gone through a period when no filmmaker wanted to take him in his films, but the actor established himself in the industry on the basis of his hard work and dedication and Manoj was recognized as his Padma Shri and National Award were also awarded for excellent acting. The actor was recognized as 'Kachra Seth' in 'Phir Hera Pheri'.

Shahrukh has not yet got success with South directors, will Atlee's Jawan change the actor's fortunes?

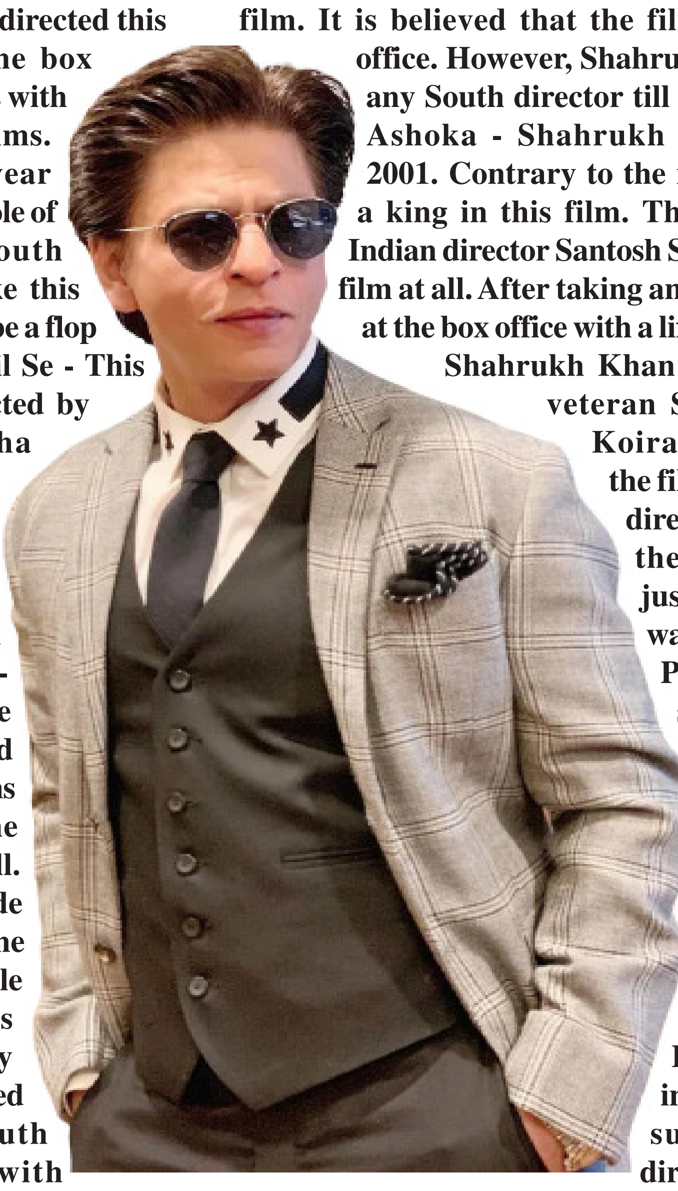

Shahrukh Khan's jawan remains in constant discussion at this time. The film is scheduled to release on September 7. There is tremendous curiosity among people about the film. Tamil director Atlee has directed this film. It is believed that the film will prove to be a blockbuster at the box office. However, Shahrukh Khan has not been able to do wonders with any South director till now. Let's take a look at some of his films. Ashoka - Shahrukh Khan's Ashoka was released in the year 2001. Contrary to the romantic image, King Khan played the role of a king in this film. This period drama was directed by South Indian director Santosh Sivan. After the release, people did not like this film at all. After taking an opening of Rs 1 crore, the film proved to be a flop at the box office with a lifetime collection of just Rs 11.54 crore. Dil Se - This Shahrukh Khan film was released in 1998. It was directed by veteran South director Mani Ratnam. Manisha Koirala and Preity Zinta were also seen in the film. Despite a good star cast and a brilliant director, the film failed to cast its magic on the audience. The film took an opening of just Rs 80 lakhs and its lifetime collection was a little over 10 crores. Billu - Priyadarshan is considered to be the superhit director of Bollywood and South films. He has made many hit films in his career. However, when he made Billu, people did not like it at all. Released in the year 2009, this film made its debut with Rs 3 crore 78 lakh. At the same time, its lifetime collection was a little more than 22 crores. This film was declared a flop at the ticket window. Hey Ram - The film Hey Ram is also included in this list. This film was directed by South superstar Kamal Haasan. Along with direction, he also played an important role in the film with Shahrukh. However, this film could not do well at the box office. Released in the year 2000, this film made its debut with just Rs 44 lakh. This film could make a lifetime collection of only Rs 5 crore 32 lakh.

Zeenat Aman and Shabana Azmi to work together in 'Bun Tikki'? Update regarding Manish Malhotra's film

Manish is going to enter the film world with 'Ban Tikki'. Now a big update has come regarding the film. So let's know. Manish Malhotra has made his special place in the industry as a successful fashion designer. The celebrity fashion designer is now ready to introduce the world to another of his skills. He has now entered the world of film production. Yes, Manish is debuting in film production through his production house 'Stage 5'. He himself has announced this. Manish is going to enter the film world with 'Ban Tikki'. Now a big update has come regarding the film. So let's find out. Zeenat Aman and Shabana Azmi will work together - Manish Malhotra, famous for costume design in Bollywood, is entering film production celebrating 30 years in the fashion industry. His new production house has announced three upcoming films, including 'Bun Tikki'. The news is coming that along with actor Abhay Deol, veteran actresses Zeenat Aman and Shabana Azmi will also be involved in this film. New update about 'Ban Tikki' - Manish is planning to make his directorial debut with the biopic of great actress Meena Kumari. Also planned, in which Kriti Sanon will be in the lead role. If Zeenat Aman and Shabana Azmi join Ban Tikki, then both the actresses will be seen sharing the screen for the first time in this film. Fans are also eager to see both of them together on screen. Announcement of the production house - Manish has shared a post on his Instagram account recently. Sharing the logo of his company, the actor has written, 'Since childhood, I have had a special interest in clothes, colors and films. I was attracted to the clothes, their texture and the music. I used to watch every film in my childhood with the desire to be a part of Indian cinema one day. My fascination with clothes helped me become a costume designer. And then after many years now it inspired me to start my own production house.

Directors made obscene demand for work from these actresses, fired from films for refusing

Along with Bollywood beauties, Bhojpuri actresses are also earning a lot of name among the fans. On the basis of his acting and bold style, he has made a good name in the industry. However, these actresses have faced no less hurdles to reach the Bhojpuri industry. In such a situation, there have been many actresses who had to face many difficulties to reach this position. In today's article, we are going to tell you about those actresses of Bhojpuri industry, who have become victims of casting couch. Akshara Singh- Bhojpuri's top actress Akshara Singh talks more about her personal life than her professional life I walk in Akshara is very active on social media and shares daily updates with her fans. Let us tell you that in an interview, Akshara had revealed that after her breakup with Pawan Singh, many directors had made very rude demands from her. The actress also had to face many obscene comments. Rani Chatterjee - Rani Chatterjee, who made the audience crazy with her bold and hot acts, is also included in this list. Rani has accused Bollywood director Sajid Khan during the Me Too campaign. The actress said that Sajid had called her to his studio for an item song. During this time the director had demanded Rani to show her thighs. Not only this, Sajid had also asked Rani about her breast size. Pakhi Hegde- Pakhi Hegde, who has distanced herself from Bhojpuri films, is also included in this list. Although the actress is no longer active in the industry at all, but during an interview, Pakhi had revealed that in the initial days of her career, directors used to ask her to compromise in exchange for work. And on refusal, one had to become a victim of casting couch, films were not available soon and depression was caused by sitting idle. Alfia Shaikh - This has also happened with Bhojpuri world's hot actress and item girl Alfia Shaikh. Alfia Sheikh had accused Bhojpuri cinema actor and film director Haider Kazmi of 'Me Too'. The actress had accused Haider of sexual harassment.